॥ ज्यां देखूँ वाँ तू को तू ॥

ऐसी भूल दुनियाँ के अन्दर साबुत करणी करता तू ।
ऐसो खेल रच्यो मेरे दाता ज्यां देखूँ वाँ तू को तू ॥

१. कीड़ी में नानो बन बेठो हाथी में तू मोटो क्यूं ।
बन महावत ने माथे बेठो हांकणवाळो तूको तू ॥
ऐसो खेल रच्यो ...
२. दाता में दाता बन बेठो भिखारी के भेळो तू ।
ले झोळी ने मागण लाग्यो देवावाळो दाता तू ॥
ऐसो खेल रच्यो ...
३. चोरों में तू चोर बन बेठो बदमाशों के भेळो तू ।
कर चोरी ने भागण लाग्यो पकड ने वाळो तू को तू ॥
ऐसो खेल रच्यो ...
४. नरनारी में एक बिराजे दुनियाँ में दो दिखे क्यूं ।
बन बाळक ने रोवा लाग्यो छानो राखन वाळो तू ॥
ऐसो खेल रच्यो ...
५. जल थल में तू ही बिराजे जंत भूत के भेळो तू ।
कहत कबीर सुनो भाई साधो गुरु बन के बैठो तू ॥

ऐसो खेल रच्यो मेरे दाता ज्यां देखूँ वाँ तू को तू ॥
ऐसी भूल दुनियाँ के अन्दर साबुत करणी करता तू ।

Send corrections to hariomgroup@gmail.com